जोधपुर जिले में कई ठेकेदारों के प्रतिष्ठानों और घरों पर आयकर की रेड

चल रही दस्तावेजों की जांच, अघोषित आय उजागर होने का बना अंदेशा

जोधपुर, (कासं)। जयपुर से आई आयकर विभाग की टीम ने जोधपुर के कई ठेकेदारों के प्रतिष्ठानों और घरों पर मंगलवार को रेड दी। देर शाम तक दस्तावेजों को खंगाला जा रहा था। इसमें अघोषित आय उजागर होने का अंदेशा बना है। जिसमें बड़ी आयकर चोरी पकड़ी जा सकती है। फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है।

आयकर सूत्रों के अनुसार पप्पूराम डारा, पतराम विश्नोई, ओमप्रकाश विश्नोई सहित कुछ अन्य ठेकेदारों के यहां पर सर्वे शुरू किया है। शहर में एक साथ कई स्थान पर छापे की सूचना से हडकंप मच गया। हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि आज का यह छापा सिर्फ कुछ ठेकेदारों तक ही सीमित है। जिन ठेकेदारों के यहां छापा पड़ा है वे सभी नामचीन है। इन सभी का सालाना करोड़ों रुपए का टर्नओवर है। ऐसे में विभाग को सूचना मिली थी कि इनके यहां बड़ी मात्रा में अघोषित आय का खुलासा हो सकता है।

अघोषित आय की मिली शिकायत :- आयकर विभाग सूत्रों के अनुसार अघोषित आय और आयकर चोरी की शिकायत आई है। शिकायत के अधार पर कार्रवाई की गई है। आयकर विभाग की टीमों ने पिछले 1 सप्ताह से लगातार ऐसे ठेकेदारों को अपने रडार पर ले रखा था। जोधपुर के रातानाड़ा से लेकर शास्त्री नगर और औद्योगिक क्षेत्र से लेकर कुछ ग्रामीण इलाकों में आयकर विभाग की टीमें पड़ताल कर रही है।

सौ करोड़ की जमीन बचाने के लिए महंत ने दी 25 लाख की रिश्वत

अलवर, (निसं)। अलवर में करोड़ों की जमीन को कब्जाने की फिराग में यूआईटी के विरोध में आए राजगढ़ के महंत प्रकाश दास। जिन्होंने अपनी जमीन को यूआईटी की नजर से बचाने के लिए अधिकारियों को अब तक पच्चीस लाख की रिश्वत तक दे डाली लेकिन फिर भी उनकी जमीन जिसकी कीमत सौ करोड़ रूपये को यूआईटी ने हड़पने के लिए रोड बनाना शुरू कर दिया है।

यूआईटी अधिकारियों पर महंत प्रकाश दास प्रेस वार्ता में बरसे। उन्होनें यूआईटी के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस भूमि जो कि उन्होंने कानून के तहत यूआईटी से जीती है और वह उनके नाम बोल रही है उसे बिना मेरी अनुमति के अवाप्त कैसे कर सकती है और ना ही इसके लिए मुझे कोई मुआवजा दिया गया। इसी आधार पर महंत ने अपनी भूमि बचाने के लिए यूआईटी के अधिकारियों को अब तक 25 लाख की रिश्वत दे डाली लेकिन फिर भी अब यूआईटी ने उस पर जेसीबी चला कर सड़क निर्माण शुरू कर दिया है। यूआईटी कोर्ट आदेश तक की अवेहलना कर रही है इसी दर्द को लेकर महंत ने एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि वे खुश है कि कल यूआईटी में एसीबी की रेड पड़ी। यहां भ्रष्टाचार चरम पर है यहां लोगों ने पैसे के लिए अपने दलाल बैठा रखे हैं मुझसे भी रिश्वत के तौर पर अब तक अधिकारी और कर्मचारी 25 लाख ले चुके हैं।

एक तरफा प्यार में प्रेमी ने बरातियों को कुचला था, आरोपी गिरफ्तार

दूल्हे की मां की उदयपुर में ईलाज के दौरान मौत हो गई थी

मोटागांव थाना पुलिस की गिरफ्त में वाहन चुराकर हत्या का षड्यंत्र रचने का आरोपी।

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना मोटागांव के दूदका में एक तरफा प्यार में अंधे प्रेमी ने चोरी के वाहन से बारातियों को कुचलने का प्रयास किया था। पुलिस ने अभियुक्त रामचंद्र को गिरफ्तार कर लिया है।

मोटागांव थानाधिकारी धनपत सिंह ने बताया कि 5 फरवरी को अलसुबह आरोपी रामचंद्र पुत्र राजेन्द्र डामोर निवासी लखेरिया गांव दूदका से बारात रवाना होने के समय चोरी के वाहन से रंजिशवश जानबूझ कर हत्या व हत्या के प्रयास के उद्देश्य से बारात पर चोरी की गाडी चढा दी। जिसमें दूल्हे पंकज की मां सीता पत्नी मणिलाल की उदयपुर में ईलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। वहीं अन्य 9 लोगों को आरोपी ने कुचलकर मारने का प्रयास किया। पुलिस ने जब मामले में अनुसंधान किया तो पता चला कि आरोपी रामचंद्र दुल्हन संगीता से एकतरफा प्यार करता था और उससे विवाह भी करना चाहता था लेकिन दोनों की जाति एक होने से संगीता ने अपने घर वालों के दबाव में विवाह करने से इंकार कर दिया तो आरोपी रामचंद्र ने संगीता, उसके पिता व दूल्हे को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में संगीता के बयान के बाद पुलिस के शक की सुईयां रामचंद्र की ओर घुमने लगी।

■ अन्य 9 लोगों को आरोपी ने कुचलकर मारने का प्रयास किया था

हत्या के प्रयास में दूल्हे के पास खड़ी उसकी माता सीता पर गाडी चढ़ा दी व अन्य बारातियों को चोटें आयी। आरोपी की गिरफ्तारी में घाटोल चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक अब्दुल हकीम व कांस्टेबल सतपाल की विशेष भूमिका रही।

नाबालिग बालिका की हत्या का आरोपी गौरव जैन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर के रामपुरा थाना इलाके में 15 वर्षीय नाबालिग बालिका की हत्या के मामले में फरार चल रहा ट्यूशन टीचर गौरव जैन आखिर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। आरोपी शिक्षक स्कूटी को केशोरायपाटन इलाके में फैंक कर हरियाणा से गुरुग्राम की तरफ फरार हो गया था। जहां से ही पुलिस ने देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया है। शहर एसपी केसर सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी क्रिमिनल माइंड से था और उसने हत्या की प्लानिंग एक दिन पहले ही कर ली थी। आरोपी ट्यूशन टीचर गौरव जैन ने दुष्कर्म का प्रयास किया और इसी का विरोध बालिका ने किया। इसमें नाकामयाब होने के बाद ही उसने नाबालिग बालिका की हत्या कर दी। आरोपी लड़की का वेश धारण करने के लिए कपड़े भी लेकर गया था।

कोटा पुलिस ने बालिका की हत्या के आरोपी गौरव जैन को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया।

ज्ञात रहे कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कोटा शहर के 3 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 6 पुलिस उपाधीक्षक और 10 सीआई के अलावा 500 पुलिसकर्मी शिक्षक की तलाश में लगे हुए थे। साथ ही पुलिस की करीब 30 टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जुटी हुई थी। आरोपी लड़की के वेश में नयापुरा बस स्टैंड पर आया यहां पर पहले से बुक किए हुए टिकट के जरिए हरिद्वार के लिए निकल गया। यहां के बाद में वह यूपी, उत्तराखंड, बिहार और हरियाणा के कई शहरों में गया। जिसके बाद में सोमवार को वह गुरुग्राम में अपनी बहन के पास में पैसा खत्म हो जाने के बाद मदद मांगने पहुंचा लेकिन पहले से मौजूद पुलिस टीम ने उसको गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने दुष्कर्म का प्रयास करना स्वीकार किया है। जिसके बाद पूरे प्रकरण में पोक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ी जाएगी। एसपी केसर सिंह शेखावत का कहना है कि इस पूरे मामले में केस ऑफिसर स्कीम के तहत ही जांच पड़ताल की जाएगी। हत्यारे को जल्द से जल्द कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का प्रयास पुलिस करेगी। गौरव के जीजा गुरुग्राम में नौकरी करते थे लेकिन वर्तमान में टोंक में ही मौजूद थे। ऐसे में गौरव इसका फायदा उठाकर गुरुग्राम में उनके घर जाकर छुप गया।

गौरव ने कोटा से फरार होने के बाद अपनी पहचान छुपाने के लिए अपनी कटिंग करा ली और हेयर स्टाइल भी पूरी तरह से बदल ली थी लेकिन पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी सरकार को भी दे दी गई है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने मृतक नाबालिग बालिका के घर पर भी सूचना देनी चाही। उन्होंने परिजनों को फोन किया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया है। ऐसे में बाल कल्याण समिति के सदस्य अरुण भार्गव को घर पर भेजा और उसके बाद में उनके परिजनों से बात की गई।

■ लड़की का वेश बनाकर फरार हुआ था, आरोपी ने एक दिन पहले ही प्लानिंग कर ली थी

कोटा शहर एसपी केसर सिंह शेखावत ने गौरव जैन पर पांच हजार रुपए का इनाम रखा था। इसके बाद कोटा रेंज आईजी रविदत्त गौड़ ने इस इनाम को बढ़ाकर 10 हजार कर दिया लेकिन बाद में आरोपी गौरव जैन को पकड़ने के लिए कोटा के कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ हॉस्टल एसोसिएशन ने भी इनाम रखा था। इसके अलावा स्थानीय नागरिकों ने भी अपनी तरफ से इनाम की घोषणा की हुई थी यह राशि करीब 5 लाख रुपए है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे मामले में साइबर टीम का सहयोग रहा है। साथ ही आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह राठौड़ भी गुडगांव गए थे।

1.60 लाख रु. की रिश्वत लेते संयुक्त निदेशक, व. चि. अधिकारी गिरफ्तार

रिश्वत के आरोप में गिफ्तार किये गये संयुक्त निदेशक, पशु चिकित्सा अधिकारी तथा पशुधन सहायक।

डूंगरपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की टीम ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक सहित दो अन्य सहयोगियों को 1 लाख 60 हजार की घूस लेते हुए रंगो हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा ने बताया कि परिवादी अभिषेक रावल पुत्र स्व. दिनेश रावल निवासी शास्त्री कॉलोनी मैनेजिंग डायेरक्टर मैसर्स वागड गोट एण्ड पॉल्टी फार्म पादरडी जिला डूंगरपुर जिसका बकरी पालन का व्यवसाय है । परिवादी ने 20 यूनिट बकरी विभाग को मुहैया करवाया जिसकी कीमत का भुगतान बीते सोमवार को विभाग की तरफ से परिवादी अभिषेक को प्राप्त हुआ। जिसके एवज को विभाग के संयुक्त निदेशक सहित दो अन्य कार्मिकों 1 लाख 60 हजार रूपया रिश्वत के रूप में देना था।

इस पर परिवादी अभिषेक एसीबी कार्यालय उदयपुर में 21 फरवरी को शिकायत की। जिसकी पुलिस उप अधीक्षक हेरम्ब जोशी को संबंधित चिकित्सक डॉ. जावेद अहमद से टेलीफोन पर राशि के संबंध में पुष्टि की इसके पश्चात मंगलवार को हेरम्ब जोशी के नेतृत्व में टीम ने डॉ. जावेद खान के ब्रह्मस्थली स्थित निवास पर जैसे ही परिवादी द्वारा रिश्वत की राशि 1 लाख 60 हजार सौंपी। तत्काल दबिश देकर उसे रंगे हाथों पकड़ा। साथ ही टीम ने रिश्वत की राशि के संबंध में संयुक्त निदेशक से बंटवारे के संबंध में भी मौके पर ही बात की। जिसकी पुष्टि होने पर ब्यूरो की टीम संयुक्त निदेशक कार्यालय पहुंची तथा संयुक्त निदेशक व सहायक पशुधन अधिकारी को भी रंगे हाथों पकड़ा। टीम ने इस संबंध में संयुक्त निदेशक उपेन्द्र सिंह पुत्र स्व. रामसिह निवासी बहरोड तहसील मुण्डावर जिला अलवर, डॉ. जावेद खान पुत्र इस्माईल खान निवासी पागण्डी जिला सांखली महाराष्ट्र हाल वरिष्ठ पशुचिकित्सक अधिकारी पिपलादा तथा अनिल भगोरा पुत्र स्व. लालशंकर भगोरा निवासी बिछीवाड़ा जिला डूंगरपुर हाल पशुधन सहायक कार्यालय संयुक्त निदेशक डूंगरपुर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से रिश्वत की 1 लाख 60 हजार रूपया बरामद किया है।

घनश्याम कोर्ट स्टे के दम पर पुनः उपसभापति की कुर्सी पर काबिज

अलवर, (निसं)। अलवर नगर परिषद में एसीबी की डबल रेड के बाद फिर कुर्सी का घमासान शुरू हो गया। पूर्व सभापति रिश्वत लेते ट्रैप हुईं तो सरकार ने पूर्व उपसभापति को हटाकर दोनों नए लगा दिए थे। उसके बाद सरकार की ओर से लगाए गए सभापति मुकेश सारवान व उप सभापति देवेंद्र कौर का कार्यकाल नहीं बढ़ाया गया। इस बीच मंगलवार को पूर्व उप सभापति घनश्याम गुर्जर ने आकर कुर्सी संभाल ली। उनके पास कोर्ट का स्टे पहले से है। इस लिहाज से वे कुर्सी पर आ गए।

एसीबी की दुबारा रेड पड़ी, पार्षद व दो ठेकेदार गिरफ्तार हुए, चेयरमैन व कलेक्टर का नाम तक आया। एक दिन पहले ही नगर परिषद के आयुक्त फतेह सिंह मीणा आए हैं। उपसभापति के आने की सूचना आयुक्त को दी है। आयुक्त ने कहा कि इस मामले में जानकारी ली जाएगी, उसके बाद ही कुछ कहेंगे।

■ सरकारी आदेश के अनुसार सभापति व उपसभापति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है

अलवर जिला मुख्यालय पर पूरा प्रशासन हिला हुआ है। एसीबी की दो बार रेड पड़ने के बाद नगर परिषद का पूरा काम ठप हो गया है। पूर्व सभापति बीना गुप्ता जेल से रिहा हो चुकी हैं। उनके साथ पूर्व उप सभापति घनश्याम गुर्जर को सरकार ने चुनाव के समय नामांकन में तथ्य छुपाने के आरोप में हटा दिया था। जिसका उस समय खूब विरोध भी हुआ था। लेकिन उसके बाद सरकार के लगाए जनप्रतिनिधि की शक के घेरे में आ गए। तभी सरकार ने उनका कार्यकाल नहीं बढाया और पूर्व उप सभापति को वापस कुर्सी पाने का मौका मिल गया।

इस हाल में कुर्सी की लडाई थमती नजर नहीं आ रही है। अब सरकार वापस सभापति व उप सभापति लगाएगी। इसके बाद सरकार की ओर से लगाए जाने वाला पार्षद कुर्सी पर आएगा। तब दोनों में खींचतान हो सकती है। अब देखने वाली बात यह है कि सरकार क्या निर्णय लेती है। उप सभापति गुर्जर के कार्यभार ग्रहण करते समय शहर विधायक संजय शर्मा, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष जले सिंह, प्रवक्ता सतीश यादव, डॉ अशोक पाठक सहित काफी सदस्य मौजूद थे।

मॉडल युवती आत्महत्या प्रयास मामले में आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर में चर्चा का विषय बन चुके मॉडल युवती के आत्महत्या प्रयास के मामले में गिरफ्तारी के बाद अक्षत शर्मा को जमानत मिलते ही वह फरार हो गया। उसके खिलाफ एयरपोर्ट थाने में पोर्नोग्राफी का केस भी दर्ज हुआ था। अब उसके दिल्ली में होने की जानकारी मिली तो पुलिस वहां पहुंची और गिरफ्तार कर जोधपुर लाई है।

पुलिस उपायुक्त पूर्व भूवन भूषण यादव ने बताया कि उदयपुर निवासी अक्षत शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके दिल्ली में होने की जानकारी पर पुलिस की टीम को वहां भेजा गया और पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार जिला पूर्व की एक युवती को हनी ट्रेप की साजिश रच कर ब्लैकमेल किया जा रहा था। इससे आहत होकर युवती ने गत माह रातानाडा की एक होटल की आठवीं मंजिल से कूद कर अपनी जान देने का प्रयास किया था। मगर वह बच गई। पुलिस ने उसके भाई की रिपोर्ट पर उदयपुर के अक्षत शर्मा और दीपाली नाम की महिला के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस पर पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर जोधपुर लाई थी। सात दिन तक पुलिस अभिरक्षा में भी रहे। मगर बाद में कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई।

पुलिस उपायुक्त यादव ने बताया कि इसमें अभी थानाधिकारी दिलीप खदाव के बयान होने है। एक दो दिन में रिपोर्ट का खुलासा कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार इस प्रकरण में अक्षत शर्मा के वकील मित्र नवीन को भी गिरफ्तार किया गया था।

सात वर्षों से नहीं हुआ सेट परीक्षा का आयोजन

बीकानेर, (कासं)। राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा कॉलेज व्याख्याता बनने के लिए सेट या नेट परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। राज्य सरकार भले ही उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा के दावे कर रहीं है लेकिन हकीकत कुछ अलग ही है। सरकारी एवं निजी कॉलेजों में व्याख्याता बनने के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) परीक्षा पिछले सात वर्षों से आयोजित नहीं हुईं है। जिससे निजी कॉलेजों मे योग्य स्टाफ नहीं पहुंच पा रहा है। इससे उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है।

राज्य में आरपीएससी ने सेट परीक्षा का आयोजन 2013 में किया था। इसमें 40216 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थीं। 6235 कॉलेज व्याख्याता परीक्षा के लिए पात्र घोषित किए गए। ऐसे में राज्य के लाखों विद्यार्थी जो यूजीसी की ओर से आयोजित नेट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पा रहे है। वो सेट परीक्षा नहीं होने से कॉलेज व्याख्याता के काबिल नहीं बन पा रहें है । राज्य सरकार एक तरफ योग्य व्याख्याता रखने के लिए कॉलेजो को आदेश जारी कर रहीं है। वहीं दूसरी तरफ राज्य में परीक्षा आयोजित नहीं होने से योग्य व्याख्याताओ की कमी है। यूजीसी की ओर से वर्ष में दो बार आयोजित होने वाली नेट परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होता है। इसकी कट ऑफ भी अधिक रहती है। जिसके चलते कई विद्यार्थी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते है। जबकि कॉलेज व्याख्याता बनने के लिए नेट या सेट परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। राज्य में कॉलेज व्याख्याता के एक हजार पदों पर जल्द ही आरपीएससी भर्ती का विज्ञापन जारी करेगी लेकिन सेट परीक्षा लम्बे समय से नहीं होने से लाखों विद्यार्थी इस भर्ती में आवेदन नहीं कर पाएंगे।

राजस्थान के अलावा हिमाचल एवं मध्य प्रदेश, तेलंगाना आदि अनेक प्रदेश हर वर्ष सेट परीक्षा का आयोजन करवा रहे है। वहां पर राज्य का विद्यार्थी परीक्षा हेतु आवेदन करता है तो सिर्फ उसी राज्य में कॉलेज व्याख्याता बनने के लिए योग्य घोषित होता है। लोक सेवा आयोग ने नियम जारी करते हुए 2002 के बाद अन्य राज्यों से परीक्षा उत्तीर्ण करने आने वाले अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित कर दिया। ऐसे में अन्य राज्यों से परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। राज्य में उच्च शिक्षा में व्याख्याताओ के हजारों पद रिक्त है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने कई सरकारी कॉलेज खोल दिए है। वहां भी विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रहीं है। कुछ स्थानों पर व्याख्याता प्रतिनियुक्ति पर लगाएं जा रहे है।

मोहर सिंह सलावद प्रदेशाध्यक्ष शिक्षक संघ रेसटा राज. का कहना है कि जब यूजीसी नेट परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार करती है तो आरपीएससी को वर्ष में एक बार सेट परीक्षा का आयोजन होना चाहिए।

सहारा कंपनी प्रबंधकों के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना पुलिस ने जमा नकदी का परिपक्वता भुगतान नहीं करने पर सहारा क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी प्रबंधकों के खिलाफ पीड़ित ने प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित शहीद भगतसिंह नगर न्यु सरदारपुरा निवासीभंवरसिंह ने सहारा क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी शाखा सरदारपुरा के सेक्टर मैनेजर रामसिंह, जौनल मैनेजर सहित प्रबंधकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया कि मैंने 30 सितंबर 2019 को सोसायटी में 1 लाख 77 हजार रूपये जमा करवाए। जिसका भुगतान 30 फरवरी 2021 को दो लाख 3 हजार 19 रूपये लेना था। कंपनी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एफडीआर परिपक्वता के बाद से आज दिन तक नकदी का भुगतान नहीं किया।

बालश्रमिक मुक्त

उदयपुर, (कासं)। शहर मानव तस्करी विरोधी यूनिट ने कार्यवाही करते हुए तीन बाल श्रमिकों को मुक्त करवा नियोक्ता के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। एसपी के निर्देशन में मानव तस्करी विरोधी यूनिट के तहत टीम ने मंगलवार को डांगीयों का गुड़ा सुखेर स्थित होटल रॉयल मेवाड़ा पर दबीश देकर वहां कार्यरत तीन बालश्रमिकों को मुक्त करवा बाल कलयाण समिति को पेश कर शेल्टर होम भिजवा कर नियोक्ता प्रभुलाल डांगी के खिलाफ सुखेर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाए।

राजस्वकर्मी व भूमाफिया के अवैध पंजीयन कांड का आरटीआई के तहत खुलासा

बेशकीमती शिव कॉलोनी के अवैध रजिस्ट्री का है मामला

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के पास बेशकीमती आवासीय व वाणिज्यिक वर्षों से एग्रीमेंट के आधार पर कब्जे सुधा उपयोग में आ रही शिव कॉलोनी को राजस्व कर्मियों द्वारा भू माफियाओं से सांठ-गांठ कर किए गए अवैध पंजीयन कांड का एवं इस मामले को रफा-दफा करने के लिए चल रही जांच की कछुआ चाल का पूरी तरह सूचना के अधिकार के तहत मांगी जानकारी से 17 फरवरी को खुलासा हुआ है।

सूचना के अधिकार द्वारा मिली सूचना में मामले का खुलासा होने के साथ ही खरीददार जयराम मोहनलाल पुत्र जयराम बैरवा निवासी ग्राम डीडवाना को रजिस्ट्री के क्षतिपूर्ति बतौर 41 लाख रुपए विभागीय मद में जमा कराने का नोटिस भी 4 मार्च 2021 को जारी हो चुका था। मिली सूचना में इस अवैध पंजीयन मामले की जांच में दौसा एसडीएम ने 30 मार्च 2021 को प्रस्तुत जांच में स्पष्ट किया गया कि मौके पर आबादी व उक्त भूमि का व्यवसायिक वाणिज्यिक उपयोग होने के बाद भी उसमें पड़त दर्शाई गई एवं मामले का खुलासा होने के बाद उसमें आबादी दर्शाने के साथ इस मामले में हुई अनियमितता और भ्रष्टाचार को छुपाने का प्रयास किया गया।

बस स्टैंड के पास फर्जी पंजीयन वाली भूमि पर अतिक्रमण के उद्देश्य से भूमाफिया द्वारा डाले गए पत्थर।

मामले का खुलासा होने के बाद ग्रामीणों द्वारा यह शिकायत चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री प्रसाद लाल मीणा को की गई थी। उनके द्वारा इसमें प्रभावी कार्यवाही करने के जिला कलेक्टर एसडीएम आदि सक्षम अधिकारियों को निर्देशित किया गया था। इस मामले को करीब एक साल गुजर जाने के बाद भी जांच कछुआ चाल चलने से ग्रामीणों के मन में शक सुबा पैदा हो रहा है कि आखिर एक साल गुजरने के बाद भी इस प्रकरण का पटाक्षेप क्यों नहीं हो पा रहा है। सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी में दस्तावेजों का अध्ययन करने पर सामने आता है कि उपखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के पास खातेदार से लोगों द्वारा एग्रीमेंट आदि के आधार पर खरीदी गई व करीब 35 साल से ज्यादा के समय से बसी आबादी में राजस्व कर्मियों एवं भू माफियाओं द्वारा सांठ-गांठ कर इस करोड़ों अरबों रुपए की संपत्ति पर कब्जा जमाने का एक बड़ा प्रयास था।

इतना होने के बाद भी भू माफियाओं द्वारा इस जगह बने सरकारी रास्ते पर दुकान बनाने की नियत से वहां पत्थर डालकर अतिक्रमण भी मौजूदा समय में कर रखा है। जिस पर बार-बार ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। गत दिवस जिला कलेक्टर कमर चौधरी को जन सुनवाई में इस भूमि का फर्जी पंजीयन की शिकायत पर तत्कालीन पटवार हलका पटवारी भोरी लाल जांगिड़ के खिलाफ विभागीय जांच अधिकारी एसडीएम रामगढ़ पचवारा को नियुक्त करने के साथ तहसीलदार को विभागीय प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। वहीं एक साल से चल रही इस कछुआ चाल जांच में अब आगे किस तरह की कार्रवाई होगी एवं दोषियों को किस तरह की सजा मिल पाएगी आने वाले वक्त में ही साफ हो पाएगा।

■ 41 लाख की निकाली गई थी रिकवरी, गिरदावर व पटवारी को मिली थी चार्जशीट